यूजर्स का डेटा भारत से बाहर भेजने पर रोक :देश में ही स्टोर होगा रिकार्ड
टेलीकाम सेक्टर में लाइसेंस राज खत्म; अब आनलाइन मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली

अब आपकी प्राइवेसी और पर्सनल डेटा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, क्योंकि अब टेलीकाम कंपनियों को आपके फोन, इंटरनेट इस्तेमाल और कालिंग से जुड़ा सभी तरह का डेटा और लाग्स अब भारत में ही स्टोर करना होगा। कोई भी कंपनी आपका पर्सनल डेटा देश के बाहर नहीं भेज पाएगी और न ही किसी विदेशी संस्था के साथ शेयर कर सकेगी। दरअसल, दूरसंचार विभाग (छ्रश्नञ्ज) ने बुधवार को टेलीकाम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं।

लाइसेंस राज खत्म, टेलीकाम ई-सर्विसेज पोर्टल शुरू – टेलीकाम सेक्टर में दशकों पुराना लाइसेंस राज खत्म कर एक नया और आसान मंजूरी सिस्टम शुरू किया है। इसके साथ ही सरकार ने टेलीकाम ई-सर्विसेज पोर्टल नाम की एक वेबसाइट भी बनाई है, ताकि सारा काम डिजिटल हो सके। अब तक कंपनियों को मोबाइल या इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार से जटिल और लंबी लाइसेंस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें महीनों लग जाते थे। फायदा: अब नए आथराइजेशन सिस्टम से कंपनियां बहुत आसानी और तेजी से अपना काम शुरू कर पाएंगी।

टाटा सिएरा ईवी का टीजर जारी, 30 को होगी लांच

नई दिल्ली। अपनी बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी, सिएरा ईवी को टाटा मोटर्स इसी महीने 30 जून को लान्च करने जा रही है। हाल ही में कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है। यह गाड़ी आल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) विकल्प के साथ आएगी। टीजर में सिएरा ईवी को रेतीले रास्तों पर आसानी से चलते हुए दिखाया गया है, और वीडियो के एक फ्रेम में कार पर साफ तौर पर एडब्ल्यूडी बैज नजर आता है। यह हरियर ईवी के बाद टाटा मोटर्स की दूसरी इलेक्ट्रिक कार होगी जिसमें यह दमदार लेआउट मिलेगा। यह कदम भारतीय आटोमोबाइल बाजार के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है, क्योंकि अभी तक सामान्य बजट वाले इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में आल-व्हील ड्राइव का विकल्प नहीं था। एडब्ल्यूडी सिस्टम खराब रास्तों पर तो मदद करेगा ही, साथ ही कार का पिकअप तेज करेगा, हाईवे पर शानदार परफार्मेंस देगा और फिसलन भरी जगहों पर बेहतर पकड़ बनाएगा। उम्मीद है कि टाटा इसमें हरियर ईवी वाला प्लेटफार्म ही इस्तेमाल करेगी, जिसमें 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक मिल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीबीडीटी का 27 लाख करोड़ प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य, 17 जून तक 15 फीसदी अधिक रहा संग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने चालू वित्त वर्ष में 26.97 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर एकत्रित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए उसने कई रणनीतिक उपायों की पहचान की है। 17 जून तक शुद्ध कर संग्रह 5.21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है, जिससे इस लक्ष्य को प्राप्त करने की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इन उपायों में बकाया कर वसूली के लिए बेहतर प्रबंधन, कर छूट के गलत दावों का पता लगाना और कम कर जमा वाले मामलों में कर विवरणिका को अपडेट करने के कार्यक्रम शामिल हैं। बोर्ड की 2026-27 की केंद्रीय कार्य योजना के तहत, पुराने कर बकाए को आसानी से या मुश्किल से वसूल होने वाले बकाए के तौर पर बांटकर उनकी प्रभावी वसूली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बैंकों, कंपनी रिकार्ड और वित्तीय इंटेलिजेंस इकाइयों की मदद से करदाताओं का पता लगाया जाएगा, और कर अधिकारियों के जरिये राशि प्राप्त की जाएगी। बड़े बकाया मामलों के लिए विशेष दल गठित किए जाएंगे। कर संग्रह की मजबूत शुरुआत से उम्मीद है कि वार्षिक लक्ष्य आसानी से पूरा हो जाएगा। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

डिजिटल पेमेंट में भीम की लंबी छलांग, साल भर में तीन गुना बढ़ा लेन-देन

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन अब आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। नकद के बजाय स्मार्टफोन से होने वाले भुगतान में लगातार तेजी आ रही है। इसी मजबूत रुझान का असर एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित भीम (क्चद्धढ्ढरू) पेमेंट्स ऐप के आंकड़ों में देखने को मिला है। पिछले एक साल में इस एप के जरिए होने वाले लेन-देन (ट्रांजैक्शन) की संख्या में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है। एक साल महीने में कितने बढ़े भीम एप के आंकड़े बुधवार को जारी आधिकारिक रिलीज के अनुसार, जून 2025 से लेकर मई 2026 के बीच ट्रांजैक्शन वाल्यूम तेजी से बढ़ा है। जहां जून 2025 में इस प्लेटफार्म पर 7.96 करोड़ (79.64 मिलियन) लेन-देन हुए थे, वहीं मई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 24.4 करोड़ (244 मिलियन) तक पहुंच गया। सिर्फ लेन-देन की संख्या ही नहीं, बल्कि मूल्य के आधार पर भी इस प्लेटफार्म ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। आंकड़ों के मुताबिक, अकेले मई 2026 में भीम ऐप के जरिए कुल 26,952 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए गए हैं। लोग सबसे ज्यादा किन चीजों के लिए कर रहे हैं डिजिटल पेमेंट राष्ट्रीय स्तर पर दिख रहे इस उछाल का पैटर्न राज्यों में भी साफ नजर आ रहा है।

दुनिया में चीनी संकट की आहट, गन्ने की फसल पर दोहरा संकट

नई दिल्ली। वैश्विक तेल संकट के बाद अब दुनिया के सामने चीनी संकट की आशंका गहराने लगी है। कमजोर मानसून, अल नीनो के प्रभाव और एथेनाल की बढ़ती मांग के कारण भारत में गन्ने के उत्पादन पर दबाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उत्पादन में कमी जारी रही तो आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, भारत में इस सीजन के दौरान करीब 309.5 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन अब यह घटकर लगभग 279 लाख टन रहने का अनुमान है। यह देश की वार्षिक खपत 285 लाख टन से भी कम है। ऐसी स्थिति में आगामी सीजन की शुरुआत में चीनी का भंडार घटकर करीब 35 लाख टन रह सकता है, जो पिछले तीन दशकों का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अल नीनो के कारण मानसून कमजोर रहने की आशंका है, जिससे गन्ने की खेती प्रभावित हो सकती है। वर्ष 2015 में भी अल नीनो के प्रभाव से गन्ने की बुवाई प्रभावित हुई थी और 2016-17 में भारत को चीनी आयात तक करना पड़ा था। दूसरी ओर, पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण बढ़ाने की सरकारी नीति के चलते गन्ने की मांग लगातार बढ़ रही है।

वनप्लस नया धमाका करने की तैयारी में

नई दिल्ली

स्मार्टफोन निर्माता कंपनी वनप्लस भारतीय बाजार में एक नया धमाका करने की तैयारी में है। कंपनी के इस धमाके का नाम वनप्लस एन6 है। कंपनी ने इस फोन का डिज़ाइन भी जारी कर दिया है, जिससे इसके लुक और फील का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह स्मार्टफोन उन ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है जो 20 हजार रुपये से कम कीमत में एक शक्तिशाली वनप्लस फोन की तलाश में हैं।

वनप्लस एन6 की सबसे बड़ी खासियत इसकी 8000 एमएएच की विशाल बैटरी है, जिसे 45 वाट के सुपवूक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया जाएगा। कंपनी का दावा है कि यह बैटरी एक बार फुल चार्ज होने पर तीन दिनों तक चलेगी और सात साल तक नियमित चार्जिंग के बाद भी अपनी बैटरी हेल्थ का 80 प्रतिशत बनाए रखने में सक्षम होगी। इतना ही नहीं, केवल 5 मिनट की चार्जिंग में यह फोन 1.7 घंटे का यूट्यूब वीडियो प्लेबैक देने का वादा करता है, जो व्यस्त जीवनशैली वाले उपयोगकर्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। कंपनी का यह भी कहना है कि फोन पूरे 60 महीने तक स्मूद परफार्मेंस देगा। स्पेसिफिकेशन्स की बात करें तो, इसमें 6.72-इंच का एलसीडी पैनल, 144 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिल सकती है, जो एक बेहतरीन विजुअल अनुभव प्रदान करेगी। यह फोन एंड्राइड 16 आपरेटिंग सिस्टम पर आधारित होगा और इसमें 8 जीबी एलपीडीडीआर5 रैम के साथ 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज मिलने की उम्मीद है।

वनप्लस एन6 भारतीय बाजार में 30 जून, 2026 को लान्च होने की पुष्टि हुई है, हालांकि इसके लिए किसी भव्य इवेंट का आयोजन होने की संभावना कम है। 8 जीबी रैम और 128 जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत भारत में लगभग 18,000 रुपये होने की बात कही जा रही है। डिज़ाइन के मोर्चे पर, वनप्लस एन6 में ऊपर की ओर बीच में पंच-होल कैमरे वाला एक फ्लैट डिस्प्ले मिलेगा। फोन के पिछले हिस्से पर टाप-लेफ्ट कार्नर पर चौकोर आकार का कैमरा माड्यूल और बीच में वनप्लस की प्रतिष्ठित ब्रांडिंग मौजूद होगी।

टाटा मोटर्स ने की वाहनों की 1 जुलाई से कीमतें बढाने की घोषणा

नई दिल्ली। वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स 1 जुलाई से अपने कमर्शियल वाहनों की कीमतों में इजाफा करने जा रही है। कंपनी ने इस मूल्य वृद्धि का कारण कमोडिटी मार्केट की लगातार बढ़ती कीमतों और अन्य इनपुट कास्ट (उत्पादन लागत) के बढ़ते दबाव को बताया है। यह बढ़ोतरी 2.5 प्रतिशत तक होगी और विभिन्न माडलों तथा वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग लागू होगी। यह चालू वित्त वर्ष में टाटा मोटर्स द्वारा अपने वाणिज्यिक वाहन पोर्टफोलियो में की गई दूसरी मूल्य वृद्धि है, जो बाजार की मौजूदा आर्थिक चुनौतियों को दर्शाती है। इससे पहले, अप्रैल महीने में भी कंपनी ने इसी तरह के कारणों का हवाला देते हुए अपने कामर्शियल वाहनों के दाम 1.5प्रतिशत तक बढ़ाए थे। टाटा मोटर्स भारत में छोटे कामर्शियल वाहनों, पिक-अप ट्रकों, इंटरमीडिएट और हैवी कामर्शियल वाहनों के साथ-साथ बसों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण और बिक्री करती है, और यह नई दरें उसके पूरे कामर्शियल व्हीकल्स पोर्टफोलियो पर प्रभावी होंगी। कंपनी ने माडल के हिसाब से कीमतों में बदलाव का खुलासा फिलहाल नहीं किया है। इसी क्रम में, कंपनी ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स पोर्टफोलियो की कीमतों में भी 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जो भी 1 जुलाई से ही लागू होगी। पैसेंजर वाहनों की कीमतों में वृद्धि के लिए भी बढ़ती इनपुट कास्ट और इन्फ्लेशनरी प्रेशर (महंगाई के दबाव) को मुख्य कारण बताया गया है। यह बढ़ोतरी कंपनी के बेचे जाने वाले इंटरनल कम्बशन इंजन (आईसीई) माडल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) दोनों पर समान रूप से लागू होगी। यहां इनपुट कास्ट का अर्थ किसी भी वाहन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल जैसे स्टील, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और रबर की लागत, मजदूरी और फैक्ट्री के अन्य खर्चों को मिलाकर आने वाली कुल लागत से है।

प्रभु देवा ने खरीदी एमजी एम9 ईवी कीमत है 75.90 लाख रुपए

नई दिल्ली

मशहूर एक्टर, डांसर और फिल्ममेकर प्रभु देवा अब एमजी एम9 ईवी के मालिक बन गए हैं। एमजी एम9 भारत में बिकने वाली एकमात्र इलेक्ट्रिक लग्जरी वैन है, जो सिंगल चार्ज पर 550 किलोमीटर की प्रभावशाली रेंज देती है और 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग (यूरो और आस्ट्रेलियन क्रैश टेस्ट में) से लैस है। एमजी मोटर्स की यह सबसे लग्जरी इलेक्ट्रिक एमपीवी, जिसकी कीमत 75.90 लाख रुपए है, प्रभु देवा के गैराज में शामिल हो गई है। सेगमेंट में इसका मुकाबला किआ कार्निवल जैसी गाड़ियों से होता है, लेकिन एमजी एम9 अपने शानदार स्पेस और बेजोड़ कम्फर्ट के लिए जानी जाती है।

इस एमपीवी का इंटीरियर लग्जरी और आराम का प्रतीक है, जिसमें काग्नेक ब्राउन लेदर का उपयोग किया गया है। फ्रंट में 12.23-इंच की टचस्क्रीन और 7-इंच का ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस एपल कारप्ले/एंड्राइड आटो और जेबीएल साउंड सिस्टम मिलता है। सबसे खास बात इसकी दूसरी पंक्ति की कैप्टन सीटें (जिसे एमजी प्रेसिडेंशियल सीटें कहती है), जो मसाज, वेंटिलेशन और हीटिंग फंक्शन के साथ फोल्ड-आउट ओटोमन की सुविधा भी देती हैं। पीछे बैठे यात्रियों के लिए पैनोरमिक सनरूफ, एंबिएंट लाइट और मैनुअल विंडो शेड्स भी मौजूद हैं। 5,200 मिमी की लंबाई और 3,200 मिमी के व्हीलबेस के साथ, यह किआ कार्निवल और टोयोटा वेलफायर जैसी एमपीवी से बड़ी है।

इसका बाक्सी डिजाइन, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल, 19-इंच के अलाय व्हील और बिजली से चलने वाले स्लाइडिंग डोर इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।सुरक्षा के मोर्चे पर, एमजी एम9 ईवी में लेवल 2 एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम, 7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ईएसपी और चारों डिस्क ब्रेक जैसे फीचर्स शामिल हैं। यह व्हीकल टू लोड (वी2एल) और व्हीकल टू व्हीकल (वी2वी) चार्जिंग को भी सपोर्ट करती है।

एथेनाल-मिश्रित पेट्रोल से कारों में काली फंगस, सर्विसिंग खर्च दोगुना, माइलेज घटा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल में एथेनाल मिश्रण की बढ़ती मात्रा से वाहन मालिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। कई शहरों से गाड़ियों के माइलेज घटने, सर्विसिंग का खर्च दोगुना होने और फ्यूल टैंक में काली फंगस व जंग लगने की शिकायतें आई हैं। दिल्ली स्थित कार रिपेयरिंग मार्केट में मैकेनिकों का कहना है कि एथेनाल युक्त पेट्रोल के कारण वाहनों के फ्यूल सिस्टम और इंजन के महत्वपूर्ण पार्ट्स तेजी से खराब हो रहे हैं। दिल्ली के निवासी ने 3 साल पहले कार खरीदी थी। एक साल बाद ही उन्हें फ्यूल सिस्टम में दिक्कत महसूस हुई। उनकी कार केवल 10 प्रतिशत एथेनाल (ई10) वाले पेट्रोल के लिए बनी थी, लेकिन उसमें गलती से 20 प्रतिशत एथेनाल (ई20) वाला फ्यूल डाल दिया। इससे कार का माइलेज बुरी तरह प्रभावित हुआ और सालाना सर्विसिंग का खर्च 15-20 हजार रुपये से बढ़कर दोगुना हुआ। वहीं कुछ युवा भी सोशल मीडिया पर एथेनाल फ्यूल से जुड़ी गड़बड़ी के वीडियो देखकर चिंतित हैं और अब केवल पावर पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं। पालिका मार्केट में 20 साल से कार रिपेयरिंग कर रहे शख्त बताते हैं कि पिछले दो सालों से फ्यूल से जुड़ी दिक्कतें काफी बढ़ी हैं। एथेनाल में पानी सोखने की क्षमता होने के कारण फ्यूल टैंक में काली काई जमने और फ्यूल पंप व सेंसर में जंग लगने की शिकायतें बढ़ी हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा, जबकि एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती बनी हुई नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिलाजुला कारोबार होता रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 182.06 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़ कर 51,848.90 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,358.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 110.40 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,476.64 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 51,866.04 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,461.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,385.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स 153.22 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूट कर 24,740.36 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का जोर बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता हान्ग कान्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 302.18 अंक यानी 1.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,110 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 137 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,160 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 297.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,341.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 455.63 अंक यानी 5.38 प्रतिशत उछल कर 8,926.65 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,928.03 अंक यानी 4.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 72,103 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 90.07 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,975.95 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,561.72 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,125.76 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक उछाल के साथ 5,216.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।